BY: Dr. Hameeda Shaheen (Guest Teacher),
Department of Psychology, Raja Singh College, Siwan.

FOR: B.A. Part II,
Psychology - Hons. / Sub.

पूर्वधारणा (पूर्वाग्रह) और विभेदन
(PREJUDICE AND DISCRIMINATION)

पूर्वधारणा (पूर्वाग्रह) का अर्थ (Meaning of Prejudice): पूर्वधारणा या पूर्वाग्रह अंग्रेजी भाषा के prejudice का हिन्दी अनुवाद है, जो स्वयं लैटिन भाषा के prejudicium से बना है।pre का अर्थ है पहले (prior) और (judicium) का अर्थ है निर्णय (judgement)। इस दृष्टिकोण से पूर्वधारणा का शाब्दिक अर्थ हुआ पूर्वनिर्णय (prejudgment)। क्लिनबर्ग (Klineberg. 1966) ने इसी अर्थ में पूर्वधारणा की परिभाषा दी है कि, "पूर्वधारणा का तात्पर्य व्यक्तियों या वस्तुओं के प्रति पूर्व निर्णय, भाव या प्रतिक्रिया से है, जो पूर्व निर्धारित होने के कारण वास्तविक अनुभव पर आधारित नहीं होती है।"(Prejudice refers to prejudgement, a feeling or response to persons or things which is prior to, and therefore, not based upon, actual experience.) प्रश्न यह है कि पूर्वधारणा वस्तुओं, व्यक्तियों या समूह के विपक्ष में होती है या पक्ष में भी। इस सम्बन्ध में मनोवैज्ञानिकों के बीच सहमति नहीं है। कुछ मनोवैज्ञानिकों के अनुसार वह सदा विपक्ष में होती है और कुछ अन्य मनोवैज्ञानिकों के अनुसार कभी-कभी यह पक्ष में भी होती है।

न्यूकम्ब, टरनर तथा कन्वर्स (Newcomb, Turner Converse, 1965) के अनुसार, "पूर्वधारणा एक प्रतिकूल मनोवृत्ति है और इसे उन तरीकों से प्रत्यक्षीकरण करने, सोचने, अनुभव करने तथा क्रिया करने की पूर्ववृत्ति माना जा सकता है, जो दूसरे व्यक्तियों, विशेष रूप से दूसरे समूहों के सदस्यों के विपक्ष में होते है।" (Prejudice is thus an unfavourable attitude, and may be thought as a predisposition to perceive, think, feel and act in ways that are against or away from rather than for or towards other persons especially as members of group.)

सेकर्ड एवं बैकमैन (Secord Backman, 1974) के अपने शब्दों में, पूर्वधारणा एक मनोवृत्ति है जो व्यक्ति को किसी समूह या इसके सदस्यों के प्रति अनुकूल या प्रतिकूल ढंग से सोचने, प्रत्यक्षीकरण करने, अनुभव करने तथा क्रिया करने के लिए पहले से ही तत्पर बना देती है। (Prejudice is an attitude that predisposes a person to think, perceive, feel and act in favourable or unfavourable ways toward a group or its individual members.)

कारसन, बूचर एवं मीनेका (Carson, Butcher Mineka, 2005) की परिभाषा पूर्वाग्रह के अर्थ एवं स्वरूप की व्याख्या करने में अधिक सफल तथा संतोषजनक है। उनके अनुसार, "पूर्वाग्रह रागात्मक स्वरूप प्रत्यक्षीकरण है जो कुछ व्यक्ति, समूह या विचार के बारे में ठोस प्रमाण के अभाव में अनुकूल अथवा प्रतिकूल होता है।" (Prejudice is emotionally toned perception favourable or unfavourable to some person, group or idea typically in the absence of sound evidence.)

वर्तमान समय में मनोवैज्ञानिकों की एक बड़ी संख्या इस विचार से सहमत है कि पूर्वाग्रह या पूर्वधारणा एक ऐसा निर्णय (judgement) या मनोवृत्ति (attitude) है जो प्रायः नकारात्मक तथा अनुचित होती है और जिसका निर्धारण समूह-संबद्धता (group affiliation) से होता है। दैनिक जीवन के उदाहरण से यह बात स्पष्ट हो जाती है। हम किसी हरिजन के व्यक्तिगत गुण-दोष की जाँच किये बिना ही उसे अकुलीन या असभ्य इसलिए मान लेते हैं कि वह एक विशेष समूह (हरिजन समूह) का सदस्य है। जैसे-हम किसी मुसलमान के सम्बन्ध में व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त करने के पहले ही उसे राष्ट्र-विरोधी (anti-national) सिर्फ इस आधार पर मान लेते हैं कि उसका सम्बन्ध एक खास समुदाय (मुस्लिम समुदाय) से है। गोरों (Whites) की नजर में कोई हब्शी

Dr. Hameeda Shaheen, Deptt. of Psychology, Raja Singh College, Siwan.

(Negro) अपवित्र, अकुलीन तथा मानसिक दुर्बल केवल इसलिए है कि उसका सम्बन्ध एक विशेष प्रजाति (race) से है। इन सभी उदाहरणों से पूर्वधारणा के नकारात्मक या प्रतिकूल पक्ष का बोध होता है। लेकिन, कभी-कभी इसका सकारात्मक या अनुकूल पक्ष भी सामने आता है। जैसे-हम किसी ब्राह्मण के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी हासिल करने के पूर्व ही उसके कुलीन, सभ्य तथा बद्धिमान होने का निर्णय (iudgements सिर्फ इस आधार पर दे बैठते हैं कि वह एक विशेष प्रजाति का सदस्य है। अतः यह कहना अधिक युक्तिसंगत है कि पूर्वधारणा एक ऐसी असंगत एवं अतर्क (irrational) मनोवृत्ति है, जो अधिकांश परिस्थितियों में प्रतिकूल(unfavourable) तथा कुछ परिस्थितियों में अनुकूल (favourable) होती है।

उपर्युक्त परिभाषाओं के विश्लेषण से पूर्वधारणा के सम्बन्ध में निम्नलिखित बातें स्पष्ट होती हैं :-

(i) पूर्वधारणा एक प्रकार का पूर्व निर्णय(prejudgement) है। यह एक ऐसा विश्वास (belief) या मत(opinion) है, जो तथ्यों(facts) पर आधारित नहीं होता है।

(ii) पूर्वधारणा एक ऐसी मनोवृत्ति है, जो कभी सकारात्मक तथा कभी नकारात्मक होती है। अधिकांश परिस्थितियों में यह नकारात्मक या प्रतिकूल होती है और कुछ परिस्थितियों में सकारात्मक या अनुकूल।

(iii) पूर्वधारणा में संवेगात्मक रंग पाया जाता है। इसमें संवेगात्मक दृढ़ता (emotional tenacity) तथा असंगति की विशेषता पाई जाती है।

(iv) पूर्वधारणा में परिवर्तन के प्रति प्रतिरोध (resistance to change) अधिक पाया जाता है। इसमें कठोरता अधिक तथा लचीलापन कम पाया जाता है।

(v) पूर्वधारणा में अति सामान्यीकरण (over generalization) की विशेषता पाई जाती है। समूह या समुदाय के बहुत थोड़े से व्यक्तियों के अनुभव के आधार पर समूचे समूह या समुदाय के सम्बन्ध में समान धारणा बना ली जाती है।

(vi) पूर्वधारणा का प्रभाव व्यक्ति के प्रत्यक्षीकरण, चिन्तन, भाव तथा व्यवहार पर पड़ता है। वह दूसरे समूह के किसी सदस्य को इस रूप में नहीं देखता है जिस रूप में वह (सदस्य) होता है, बल्कि उसके समूह पर आरोपित विलक्षणों (characteristics) के प्रसंग में देखता तथा व्यवहार करता है।

<u>पूर्वधारणा का स्वरूप या विशेषता:</u> मनोवैज्ञानिकों द्वारा दी गयी परिभाषाओं एवं व्याख्याओं से पूर्वधारणा के स्वरूप (nature) के सम्बन्ध में निम्नलिखित विशेषताएँ स्पष्ट होती हैं -

1. **पूर्वधारणा अर्जित होती है (Prejudice is acquired):** आधुनिक मनोवैज्ञानिक पूर्वधारणा को एक अर्जित प्रवृत्ति (acquired tendency) मानते हैं। बच्चे अपने परिवार, समाज या समुदाय के मानदण्डों (norms), मूल्यों (values), परम्पराओं (traditions) तथा रीति- रिवाजों से प्रभावित होकर दूसरे समूह, वर्ग या समुदाय तथा उसके सदस्यों के प्रति विशेष पूर्वधारणा सीख लेते हैं। स्मरण रहे कि व्यक्तिगत अनुभव भिन्न होने पर भी बच्चे अपने समूह या समुदाय के सदस्यों के विश्वासों एवं मतों (opinions) के अनुकूल ही सीखते है।
2. **पूर्वधारणा नकारात्मक या सकारात्मक होती है। (Prejudice is negative or positive):** पूर्वाग्रह या पूर्वधारणा की एक विशेषता यह है कि वह सकारात्मक तथा नकारात्मक दोनों हो सकती है। परम्परावादी मुस्लिम झूठे नहीं होते हैं, नेपाली नौकर विश्वसनीय होते हैं, ब्राह्मण बुद्धिमान होते हैं आदि सकारात्मक

Dr. Hameeda Shaheen, Dept. of Psychology, Raja Singh College, Siwan.

पूर्वधारणाएँ हैं। इसके विपरीत मुसलमान मलेच्छ होते हैं, हिन्दू काफिर होते हैं, स्त्री निर्बल एवं असहाय होती है, आदि नकारात्मक पूर्व धारणाएं हैं।

3. **पूर्वधारणा एक अन्तर्समूह घटना है (Prejudice is an intergroup phenomenon):** पूर्वधारणा का वास्तविक सम्बन्ध समूह, वर्ग तथा समुदाय से है। वास्तविक अर्थ में यह किसी व्यक्ति की ओर संचालित नहीं होती, बल्कि समूह की ओर। जैसे, प्रजातीय पूर्वधारणा(racial prejudice) से ग्रसित एक ब्राह्मण किसी हरिजन से घृणा इसलिए करता है कि उसका सम्बन्ध एक विशेष प्रजाति से है। किसी मुसलमान के प्रति एक हिन्दू नकारात्मक मनोवृत्ति (negative attitude) का प्रदर्शन इसलिए करता है कि उस व्यक्ति का सम्बन्ध एक खास समुदाय से है। अतः पूर्वधारणा का मौलिक निशाना (target) समूह या समुदाय है।
4. **पूर्वधारणा प्राय नकारात्मक मनोवृत्ति है (Prejudice is usually a negative attitude):** पूर्वधारणा प्रधानतः नकारात्मक अथवा प्रतिकूल मनोवृत्ति (unfavourable attitude) के रूप में देखी जाती है। जैसे-मुस्लिम समुदाय तथा हिन्दू समुदाय के लोग एक-दूसरे के प्रति नकारात्मक मनोवृत्ति रखते हैं, जिसे सामुदायिक पूर्वधारणा कहते हैं। उच्च वर्ग(upper class) तथा निम्न वर्ग(lower class) के लोग एक-दूसरे के प्रति नकारात्मक मनोवृत्ति रखते है, जिसे वर्ग-पूर्वधारणा(class prejudice) कहते हैं। इसी तरह ब्राह्मण तथा हरिजन समूहों के सदस्यों के बीच नकारात्मक मनोवृत्ति पाई जाती है, जिसे प्रजातीय पूर्वधारणा (racial prejudice) कहते हैं।
5. **पूर्वधारणा विवेकहीन होती है (Prejudice is irrational):** पूर्वधारणा में वेकहीनता (irrationality) तथा असंगति (irrelevance) की विशेषता पाई जाती है। इसमें विवेक तथा तर्क का कोई स्थान नहीं होता है। विरोधी तथ्यो (facts) तथा सूचनाओं के होते हुए भी व्यक्ति अपनी पूर्वधारणा पर अमल करता है। मानवता तथा विवेक के मानदण्डों (norms) का उल्लंघन किया जाता है।
6. **पूर्वधारणा स्थिर तथा दृढ़ होती है (Prejudice is rigid and inflexible):** पूर्वधारणा में स्थिरता (rigidity) तथा दृढ़ता (inflexibility) का लक्षण पाया जाता है। इसमें परिवर्तन के प्रति प्रतिरोध (resistance to change) अधिक पाया जाता है। अपने विश्वास के विपक्ष में प्रमाण मिलने पर भी परितर्वन की संभावना बहुत कम होती है। कारण, इसका सम्बन्ध बुद्धि या विवेक से नहीं, बल्कि परम्परा, रीति-रिवाज तथा अन्धविश्वास से है।
7. **पूर्वधारणा में संवेगात्मक रंग होता है। (Prejudice has emotional colour):** पूर्वधारणा में न केवल नकारात्मक मनोवृत्ति होती है, बल्कि संवेगात्मक रंग भी पाया जाता है। जैसे-गोरे (Whites) निग्रो (Negro) के प्रति, ब्राह्मण परिजनों के प्रति तथा निम्न जाति के लोग उच्च जाति के लोगों के प्रति नकारात्मक मनोवत्ति के साथ-साथ बैर-भाव भी रखते हैं, जो कभी जातीय दंगे, कभी वर्ग संघर्ष और कभी सामुदायिक दंगे के रूप में उभर पड़ता है।
8. **पूर्वधारणा बुरे अभिमुखीकरण पर आधारित होती है। (Prejudice is basedon bad orientation):** पूर्वधारणा से ग्रसित व्यक्ति दूसरे समूह या सदस्यों के प्रति बुरा भाव रखता है तथा नुकसान पहुंचाने की प्रवृति रखता है। अवसर मिलने पर वह विवेक तथा मानवता के मानदण्डों को भुलाकर आक्रमणकारी व्यवहार (aggressive behaviours) करने लगता है।

Dr. Hameeda Shaheen, Deptt. of Psychology, Raja Singh College, Siwan.

9. **पूर्वधारणा का कार्यात्मक महत्व होता है (Prejudice has functional importance):** पूर्वधारणा से प्रधान समूह (dominant group) को कई प्रकार के लाभ होते हैं

पूर्वधारणा (पूर्वाग्रह) के संघटक (Components of Prejudice)

बागोजी (1978) तथा हिल्गार्ड (Hilgard, 1980) ने पूर्वधारणा के निम्नलिखित संघटकों (components) का उल्लेख किया है -

1. संज्ञानात्मक संघटक (Cognitive component):-पूर्वधारणा के एक संघटक का सम्बन्ध ज्ञान-पक्ष या संज्ञान-पक्ष से है। पुर्वधारणा में व्यक्ति को एक विशेष प्रकार का ज्ञान होता है। यह ज्ञान प्रायः दृष्टि ज्ञान या श्रवण ज्ञान होता है। जैसे-जब कोई बाह्मण किसी हरिजन को देखता है या उसके सम्बन्ध में सुनता है कि वह हरिजन है तो उसे ज्ञान होता है कि वह हरिजन समुदाय का एक सदस्य है, जो ब्राह्मण समुदाय से भिन्न है। इसी प्रकार प्रत्येक पूर्वधारणा में संज्ञानात्मक पक्ष निहित होता है।

2. भावात्मक संघटक (Affective component):-पूर्वधारणा में संज्ञानात्क संघटक के साथ-साथ भावात्मक संघटक भी शामिल होता है। यह भाव प्रायः नकारात्मक (negative) तथा बैरपूर्ण (hostile) होता है। जैसे-किसी हरिजन को देखकर अथवा उसके सम्बन्ध में सूचना प्राप्त करक बाह्मण का प्रायः दुःख, घृणा तथा बैर का भाव होता है।

3. व्यवहार-संघटक (Behavioural component):- पूर्वधारणा के तीसरे पक्ष को व्यवहार-पक्ष या क्रिया-प्रवृत्ति संघटक (action tendency component) कहते हैं। यहाँ व्यक्ति एक विशेष प्रकार का व्यवहार प्रकट करता है। उसका व्यवहार प्रायः लक्ष्य-व्यक्ति (target person) के प्रतिकूल होता है। जैसे—किसी हरिजन को देखकर एक ब्राह्मण को दुखद भाव या बैरभाव का बोध होता है और वह उससे अलग हो जाने या उसके साथ दुराचार करने का प्रयास करता है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि पूर्वधारणा या पूर्वाग्रह में तीन संघटक निहित होते है और इन तीनों के बीच जटिल संबंध होता है।

पूर्वधारणा (पूर्वाग्रह) और विभेदन (Prejudice and Discrimination)

समाज-मनोविज्ञान में विभेदन का तात्पर्य जाति (caste), सम्प्रदाय (community), यौन (sex), आदि के आधार पर किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के साथ असमान व्यवहार (unequal behaviour) करने से है। रेवर (Reber, 1995) के शब्दों में, "समाज मनोविज्ञान तथा सम्बद्ध क्षेत्रों में विभेदन का तात्पर्य प्रजाति, यौन, मानवजातीयता (ethnicity), सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आदि इच्छाधीन विशेषताओं पर आधारित व्यक्तियों या समूहों के असमान व्यवहार से है।" (In social psychology and related areas, discrimination refers to the unequal treatment of individuals or groups based on arbitrary characteristics such as race, sex, ethnicity, cultural background etc.)

इस परिभाषा के विश्लेषण से निम्नलिखित बातें स्पष्ट होती हैं -

(i) विभेदन का सम्बन्ध असमान व्यवहार से है। जैसे-यदि एक ब्राह्मण किसी हरिजन के साथ वैसा व्यवहार न करे जैसा कि वह किसी ब्राह्मण के साथ करता है तो उसके इस असमान व्यवहार को विभेदन कहेंगे।

Dr. Hameeda Shaheen, Deptt. of Psychology, Raja Singh College Siwan.

(ii) विभेदन कुछ निश्चित विशेषताओं पर आधारित होता है। जैसे-यौन के आधार पर पुरुष तथा स्त्री के प्रति असमान व्यवहार करना, सम्प्रदाय के आधार पर हिन्दू तथा मुसलमान के साथ असमान व्यवहार करना, आदि।

(iii) जिन विशेषताओं पर विभदेन आधारित होता है, वे अवास्तविक तथा इच्छाधीन (arbitrary) होती है। जैसे-जाति व्यवस्था, सम्प्रदाय व्यवस्था, आदि इच्छाधीन व्यवस्थाएं हैं।

विभेदन तथा पूर्वाग्रह में अंतर (Differences between Discrimination and Prejudice)

पूर्वाग्रह तथा विभेदन शब्दों का व्यवहार हम अक्सर करते है और प्रायः दोनों शब्दों का व्यवहार समान अर्थ में करते हैं। लेकिन, ये दोनों शब्द दो भिन्न अर्थ वाले है। इन दोनों के बीच निम्नलिखित अन्तर हैं -

1. पूर्वाग्रह का तात्पर्य नकारात्मक मनोवृत्ति से है जबकि विभदेन का अर्थ नकारात्मक क्रिया से है। बेरोन तथा बिर्ने (Baron Byrne, 2005) ने कहा है कि अपने से भिन्न किसी सामाजिक समूह के सदस्यों के प्रति व्यक्ति की नकारात्मक मनोवृत्ति को पूर्वाग्रह या पूर्वधारणा कहेंगे जबकि उसकी नकारात्मक क्रियाओं (negative actions) को विभेदन कहेगे। (Prejudice is negative attitudes towards the members of specific social groups)

2. पूर्वाग्रह के तीन पक्ष(aspects) या विमाएँ (dimensions) हैं, जिन्हें संज्ञानात्मक (cognitive), भावात्मक (affective) तथा क्रियात्मक (conative) कहते हैं। दूसरी ओर विभेदन में केवल व्यवहार-पक्ष या क्रियात्मक पक्ष ही प्रधान होता है। जैसे-एक ब्राह्मण हरिजनों के प्रति नकारात्मक तथा बैरपूर्ण मनोवृति रखता है। यह पूर्वाग्रह है। इस म्नोवृति से प्रभावित होकर वह हरिजनों को मंदिर मे जाने से रोकता है तथा पवित्र पुस्तको के पढ़ने पर पाबन्दी ला देता है और इसका उल्लंघन करने पर शारीरिक दंड देता है। ब्राह्मण का यह व्यवहार विभेदन है।

3. पूर्वाग्रह का क्षेत्र अधिक व्यापक होता है। कारण, इसका सम्बन्ध तीन विमाओं अर्थात् संज्ञानात्मक, भावात्मक तथा क्रियात्मक से होता है। इसके विपरीत विभेदन का क्षेत्र सीमित होता है। कारण, इसका सम्बन्ध केवल एक विमा अर्थात् क्रियात्मक विमा से होता है।

4. पूर्वाग्रह एक स्वतंत्र चर (independent variable) है, जबकि इसके संदर्भ में विभेदन एक आश्रित चर (dependent variable) है। विभेदन के लिए पूर्वाग्रह एक कारण है और विभेदन स्वयं उसका परिणाम है।

5. पूर्वाग्रह के बिना विभेदन संभव नहीं है जबकि विभेदन के बिना भी पूर्वाग्रह संभव है। यदि किसी ब्राह्मण में हरिजनों के प्रति नकारात्मक तथा बैरपूर्ण मनोवृत्ति नहीं हो तो वह हरिजनों के साथ भेदमूलक व्यवहार (discriminating behaviour) नहीं करेगा। दूसरी और भेदमलक व्यवहार नहीं करने पर भी उस ब्राह्मण में नकारात्मक मनोवृत्ति हो सकती है। यह एक वास्तविकता है कि कानून, सामाजिक दबाव तथा प्रतिकार के भय (fear of retaliation) के कारण व्यक्ति अपनी नकारात्मक मनोवृत्ति को व्यवहार के रूप में व्यक्त नहीं कर पाता है। जैसे-संभव है कि किसी ब्राह्मण में हरिजनों के प्रति नकारात्मक मनोवृत्ति हो, किन्तु कानून के भय से वह हरिजनों को मन्दिर में जाने से रोकने का साहस न करे।

इस प्रकार स्पष्ट है कि पूर्वाग्रह(पूर्वधारणा) तथा विभेदन के बीच कई अन्तर हैं। फिर भी इन दोनों में घनिष्ठ सम्बन्ध भी है।

Dr. Hameeda Shaheen, Dept. of Psychology, Raja Singh College, Siwan.